



Male



Femal

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121393401

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
31/12/1986 :	जन्म तिथि	:	6-07/03/1993
बुधवार :	दिन	:	शनि-रविवार
घंटे 07:40:00 :	जन्म समय	:	02:40:00 घंटे
घटी 03:02:59 :	जन्म समय(घटी)	:	51:35:40 घटी
India :	देश	:	India
Madhupur :	स्थान	:	Durgapur
24:17:00 उत्तर :	अक्षांश	:	23:30:00 उत्तर
86:38:00 पूर्व :	रेखांश	:	87:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:16:32 :	स्थानिक संस्कार	:	00:19:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 घंटे
06:26:48 :	सूर्योदय	:	05:58:34
17:05:18 :	सूर्यास्त	:	17:45:42
23:40:27 :	चित्रपक्षीय अयनांश	:	23:46:00
मकर :	लग्न	:	धनु
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	:	गुरु
धनु :	राशि	:	सिंह
गुरु :	राशि-स्वामी	:	सूर्य
पूर्वाषाढा :	नक्षत्र	:	मघा
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	:	केतु
1 :	चरण	:	1
ध्रुव :	योग	:	सुकर्मा
नाग :	करण	:	गर
भू-भूपेन्द्र :	जन्म नामाक्षर	:	मा-मानवी
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	:	मीन
क्षत्रिय :	वर्ण	:	क्षत्रिय
मानव :	वश्य	:	वनचर
वानर :	योनि	:	मूषक
मनुष्य :	गण	:	राक्षस
मध्य :	नाड़ी	:	अन्त्य
मूषक :	वर्ग	:	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
शुक्र 17वर्ष 9मा 6दि
मंगल

06/10/2020

07/10/2027

मंगल	04/03/2021
राहु	23/03/2022
गुरु	27/02/2023
शनि	06/04/2024
बुध	04/04/2025
केतु	31/08/2025
शुक्र	31/10/2026
सूर्य	08/03/2027
चन्द्र	07/10/2027

अंश

02:45:08
15:25:06
14:49:20
00:26:23
08:04:55
23:41:34
29:36:38
21:36:23
23:20:26
23:20:26
29:52:16
11:58:42
15:45:45

राशि

मक
धनु
धनु
मीन
धनु
कुंभ
तुला
वृश्चि
मीन व
कन्या व
वृश्चि
धनु
तुला

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु व
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो व

राशि

धनु
कुंभ
सिंह
मिथु
कुंभ
कन्या
मीन
कुंभ
वृश्चि
वृष
धनु
धनु
वृश्चि

अंश

23:56:19
22:32:42
00:42:50
17:04:43
27:00:08
18:52:39
25:51:10
00:09:14
23:12:36
23:12:36
27:22:38
26:47:20
01:44:10

विंशोत्तरी

केतु 6वर्ष 7मा 15दि
चन्द्र

21/10/2025

21/10/2035

चन्द्र	21/08/2026
मंगल	22/03/2027
राहु	20/09/2028
गुरु	20/01/2030
शनि	22/08/2031
बुध	20/01/2033
केतु	21/08/2033
शुक्र	22/04/2035
सूर्य	21/10/2035

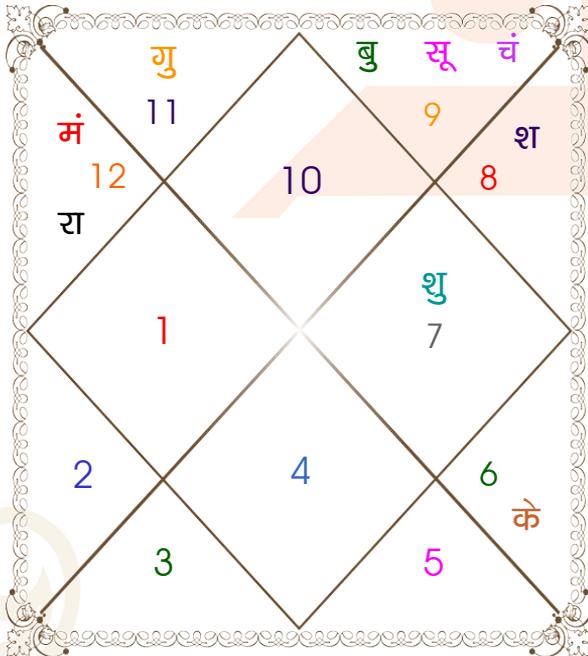
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

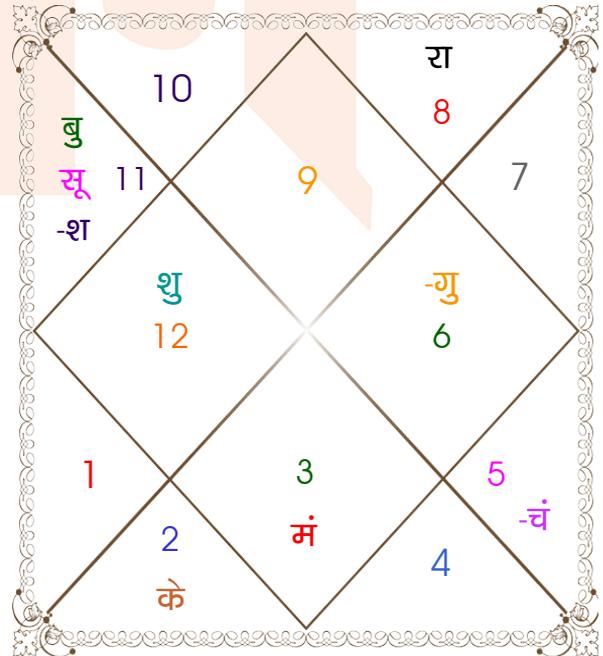
राहु : स्पष्ट

23:40:27 चित्रपक्षीय अयनांश 23:46:00

लग्न-चलित



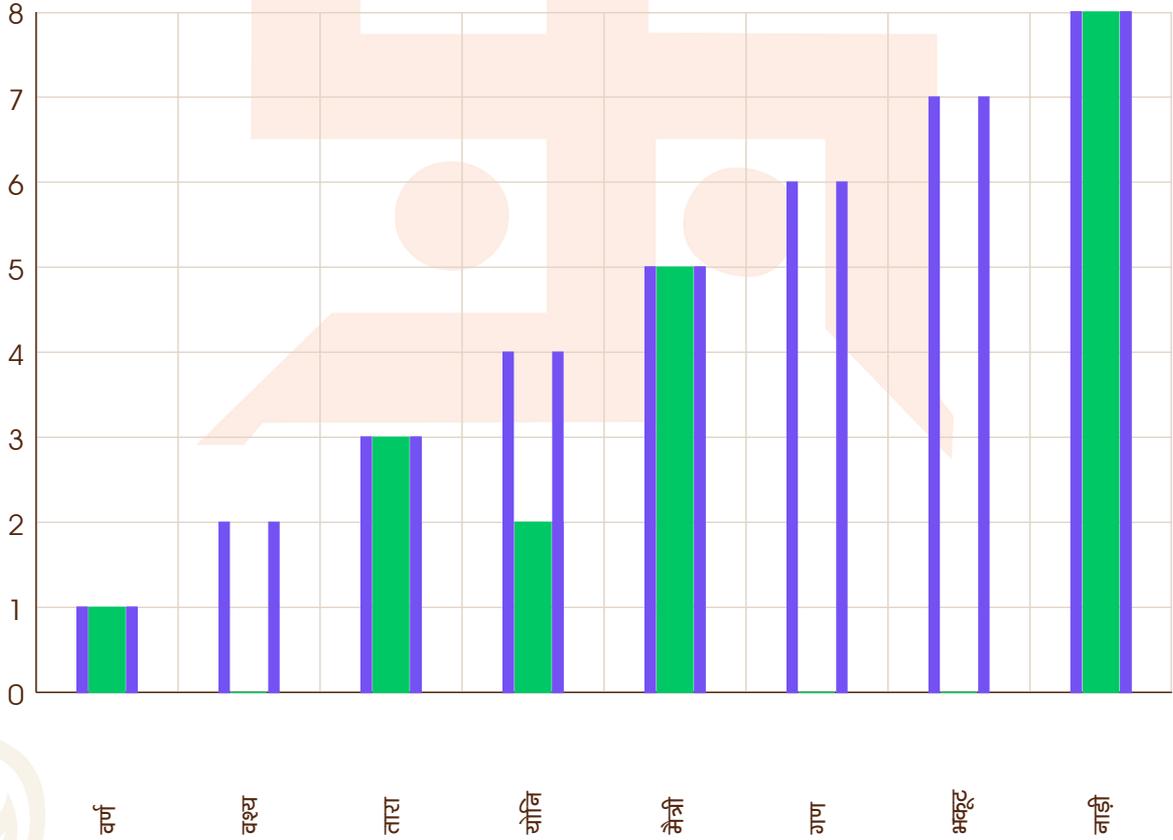
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36



अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Male का वर्ग मूषक है तथा Femal का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Male और Femal का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Male मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Femal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Male कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Male तथा Femal में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Male का वर्ण क्षत्रिय तथा Femal का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पति अति ऊर्जावान्, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Male का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Femal का वश्य वनचर अर्थात् सिंह (शेर) है अतः यह मिलान बहुत अशुभ मिलान है। शेर हमेशा मनुष्य के लिए संकट उपस्थित करता है। ये मनुष्य को हानि पहुंचाता है तथा घायल करते हैं व कभी-कभी मारकर खा भी जाते हैं। अतः यह मिलान उचित नहीं है क्योंकि Male हमेशा Femal से भय महसूस करेगा। Femal हमेशा Male पर हावी रहेगी, पति के ऊपर वर्चस्व स्थापित करेगी तथा अपने पति को अपनी हर आज्ञा के लिए बाध्य करेगी जो स्वीकार करने योग्य नहीं है क्योंकि इससे विकास एवं समृद्धि प्रभावित होगी। Femal हमेशा कोई न कोई समस्या उत्पन्न करती रहेगी जिससे घर एवं परिवार की शांति भंग होगी।

तारा

Male की तारा सम्पत तथा Femal की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Male एवं Femal दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Femal एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Male की योनि वानर है तथा Femal की योनि मूषक है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Male एवं Femal दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Male एवं Femal के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Male एवं Femal जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Male का गण मनुष्य तथा Femal का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Femal का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Male एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

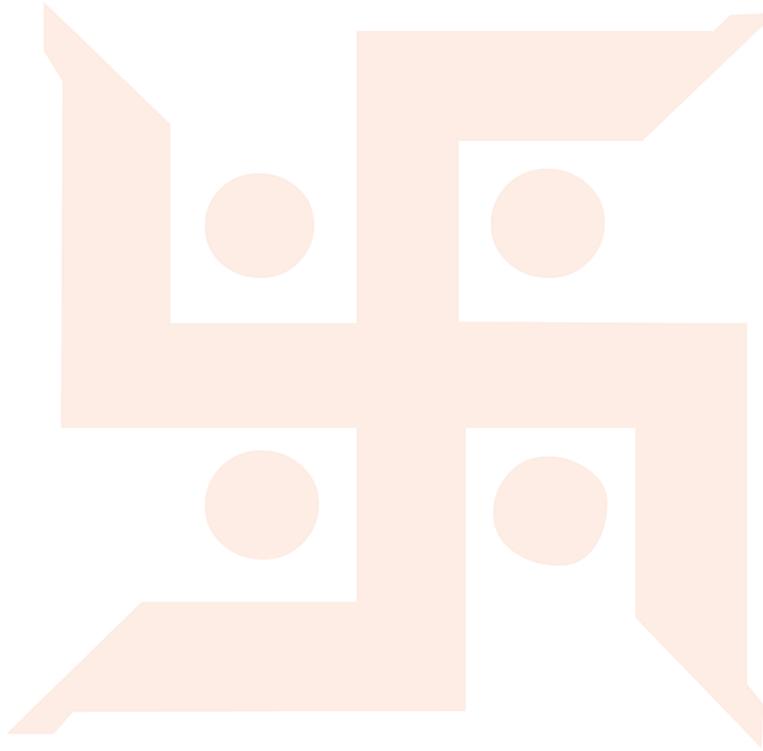
भकूट

Male से Femal की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Femal से Male की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Male की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Male की नाड़ी मध्य है तथा Femal की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी

समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Male एवं Femal के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Male की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त धनु तथा Femal की राशि भी अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। दोनों की तत्वों में समानता के कारण संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Male की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Femal की जन्म राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Male और Femal के मध्य प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग देने में तत्पर रहेंगे। वे एक दूसरे के गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की सच्चे मित्र की तरह उपेक्षा करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन की सुख शांति बनी रहेगी तथा परस्पर सम्मान पूर्वक एक दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करके व्यवहार करेंगे।

Male और Femal की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष कहलाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी जिससे मानसिक परेशानी का भाव रहेगा। साथ ही अहंकार एवं उपेक्षा की भावना भी एक दूसरे के प्रति रहेगी जिससे आपसी संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। अतः यदि Male और Femal परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति का पालन करें तथा एक दूसरे के साथ समान रूप से व्यवहार करें तो वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणकी प्राप्ति हो सकती है।

Male का वश्य मानव तथा Femal का वश्य वनचर है। मानव तथा वनचर की नैसर्गिक शत्रुता होने के कारण Male और Femal की अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी भिन्न रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

Male का वर्ण क्षत्रिय तथा Femal का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान रहेंगी तथा पराकमी तथा साहसिक कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे फलतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा।

धन

Male की तारा सम्पत तथा Femal की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Male सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Femal के भाग्य से उनकी धन सम्पत्ति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Male और Femal को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में

वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Femal का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Male की नाड़ी मध्य तथा Femal की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Male का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए Male को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Male और Femal का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Male और Femal के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Femal के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Femal को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Femal को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Male और Femal सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Male और Femal का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Femal के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Femal भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा

Femal भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Femal को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Male के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धांतिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि Male तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से Male के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।